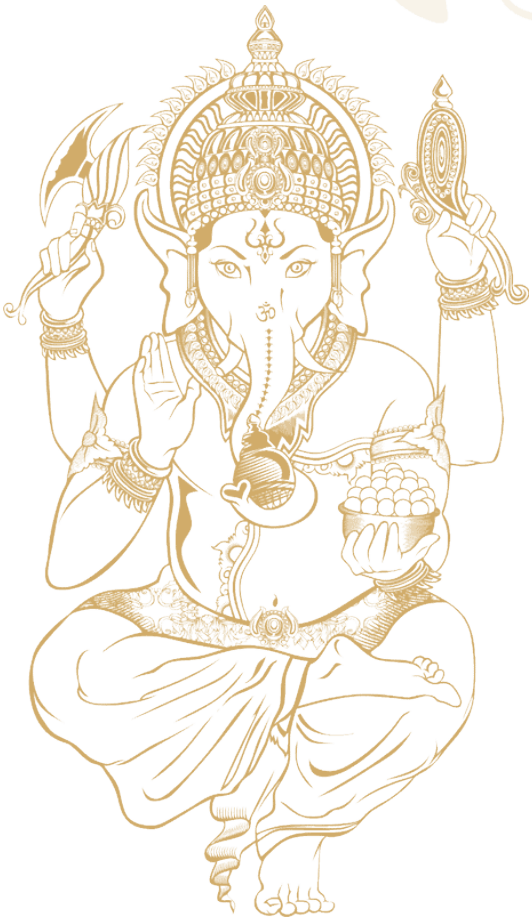

Mr.Santanu Nath

10 Feb 1988

01:35 PM

Kolkata

Model: Varshphal-2017

Order No: 120699401

तिथि 10/02/1988 **समय** 13:35:00 **वार** बुधवार **स्थान** Kolkata **चित्रपक्षीय अयनांश** : 23:41:30
अक्षांश 22:34:00 उत्तर **रेखांश** 88:21:00 पूर्व **मध्य रेखांश** 82:30:00 पूर्व **स्थानिक संस्कार** 00:23:24 घंटे

पंचांग

साम्पातिक काल	23:16:56 घं
वेलान्तर	00:14:17 घं
सूर्योदय	06:12:13 घं
सूर्यास्त	17:29:40 घं
चैत्रादि संवत	2044
शक संवत	1909
मास	फाल्गुन
पक्ष	कृष्ण
तिथि	7
नक्षत्र	स्वाति
योग	वृद्धि
करण	बव

अवकहड़ा चक्र

गण	देव
योनि	महिष
नाड़ी	अन्त्य
वर्ण	शूद्र
वश्य	मानव
वर्ग	सर्प
युँजा	मध्य
हंसक	वायु
जन्म नामाक्षर	ता-तरुण
पाया(रा.-न.)	रजत-रजत
होरा	बुध
चौघड़िया	उद्वेग

विंशोत्तरी

राहु 0वर्ष 5मा 3दि
बुध
16/07/2023
15/07/2040

बुध	12/12/2025
केतु	09/12/2026
शुक्र	09/10/2029
सूर्य	15/08/2030
चन्द्र	15/01/2032
मंगल	11/01/2033
राहु	31/07/2035
गुरु	05/11/2037
शनि	15/07/2040

योगिनी

पिंगला 0वर्ष 0मा 17दि
धान्या
27/02/2024
27/02/2027

धान्या	29/05/2024
भ्रामरी	27/09/2024
भद्रिका	27/02/2025
उल्का	28/08/2025
सिद्धा	29/03/2026
संकटा	28/11/2026
मंगला	28/12/2026
पिंगला	27/02/2027

ग्रह	व	अ	अंश	राशि	नक्षत्र	पद	स्वामी	अं.	स्थिति	षट्बल	चर	स्थिर	ग्रह तारा
लग्न			05:57:21	मिथु	मृगशिरा	4	मंगल	चंद्र	---	0:00			
सूर्य			27:06:23	मक	धनिष्ठा	2	मंगल	गुरु	शत्रु राशि	1.47	भ्रातृ	पितृ	अतिमित्र
चंद्र			19:41:00	तुला	स्वाति	4	राहु	मंगल	सम राशि	1.04	मातृ	मातृ	जन्म
मंगल			28:10:19	वृश्चि	ज्येष्ठा	4	बुध	शनि	स्वराशि	1.13	अमात्य	भ्रातृ	क्षेम
बुध	व	अ	28:56:54	मक	धनिष्ठा	2	मंगल	शनि	सम राशि	1.23	आत्मा	ज्ञाति	अतिमित्र
गुरु			01:10:00	मेष	अश्विनी	1	केतु	शुक्र	मित्र राशि	1.19	कलत्र	धन	प्रत्यारि
शुक्र			07:14:56	मीन	उ०भाद्रपद	2	शनि	बुध	उच्च राशि	1.35	पुत्र	कलत्र	विपत
शनि			05:59:34	धनु	मूल	2	केतु	राहु	सम राशि	1.50	ज्ञाति	आयु	प्रत्यारि
राहु			29:49:09	कुंभ	पू०भाद्रपद	3	गुरु	चंद्र	मित्र राशि		---	ज्ञान	सम्पत
केतु			29:49:09	सिंह	उ०फाल्गुनी	1	सूर्य	राहु	शत्रु राशि		---	मोक्ष	वध

लग्न-चलित

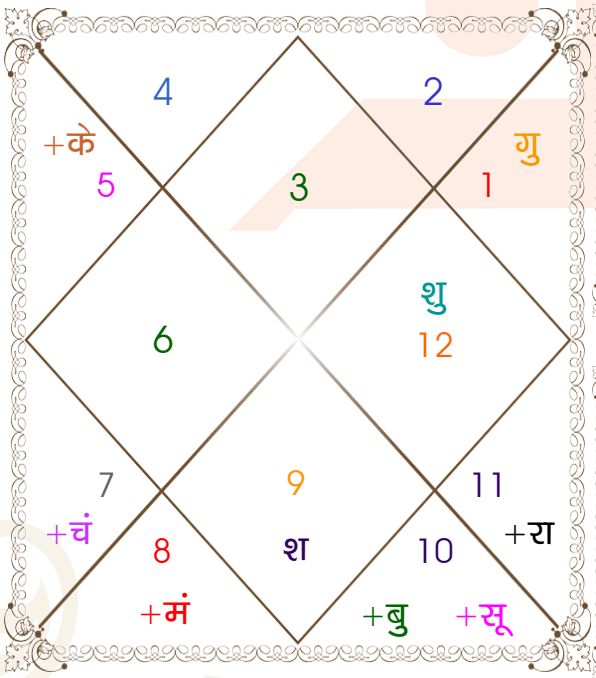

चन्द्र कुंडली

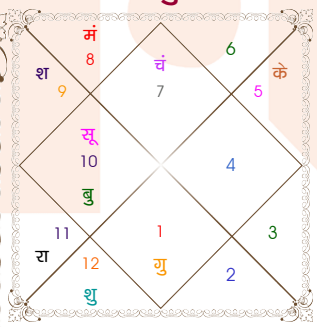

नवमांश कुंडली

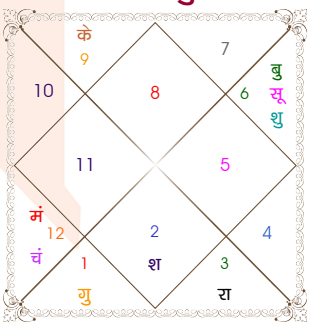

सर्वाष्टकवर्ग

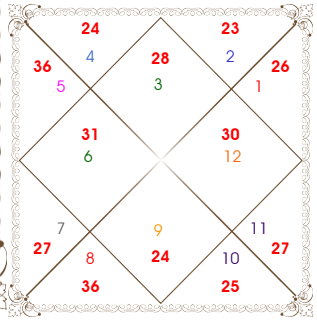

दशमांश कुंडली

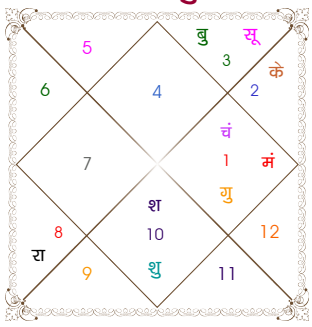

FUTUREPOINT Astro Solutions
एक्स-35, ओखला फेज-2, नई दिल्ली-110020 फोन:- 011-40541000, 40541020
Web: www.futurepointindia.com, e-mail: mail@futurepointindia.com

अथ वर्षेशफलम्

वर्ष कुण्डली में जन्म लग्नेश, वर्ष लग्नेश, मुन्थेश, त्रिराशिपति एवं दिवारात्रिपति में से जो सबसे बलवान हो तथा लग्न पर दृष्टि रखता हो, वर्षेश कहलाता है। इसका अपना विशिष्ट महत्व होता है। यह अपने शुभाशुभत्व से वर्ष के समस्त शुभ एवं महत्वपूर्ण घटनाओं को प्रभावित करता है क्योंकि यह वर्ष पंचाधिकारयों में बलवान तथा लग्न पर प्रभाव रखता है अतः इसकी स्थिति अन्य समस्त ग्रहों से प्रबल हो जाती है तथा अधिकाँश शुभाशुभ फल इसी के प्रभाव से प्राप्त होते हैं। पूर्णबली होने से सम्पूर्ण वर्ष में शुभ फल प्राप्त होते हैं, मध्यबली होने से शुभाशुभ मिश्रित फल तथा हीन बली होने से अनिष्ट फल अधिक मात्रा में प्राप्त होते हैं। यथाः-

वर्षेश्वरो भवति यः स दशाधिपेऽब्दे।
ज्ञेयोऽखिलेऽब्दजनुषोर्बलमस्य चिन्त्यम्।।

वीर्योन्वितेऽत्र निखिलं शुभमब्दमाहुः।
हीनेत्वानिष्टफलता समता समत्वे।।

-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-

शारीरिक स्वास्थ्य की दृष्टि से यह वर्ष आपके लिए उत्तम रहेगा तथा अपने समस्त शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्यो को आप उत्साह तथा परिश्रम से सम्पन्न करेंगे तथा इनमें आपको इच्छित सफलताएं भी प्राप्त होंगी। मानसिक रूप से भी इस समय आप प्रसन्न तथा सन्तुष्ट रहेंगे तथा मन में शान्ति बनी रहेगी। विभिन्न शास्त्रों को ज्ञानार्जन में इस समय आपकी रूचि रहेगी तथा परिश्रम पूर्वक इनका ज्ञान प्राप्त करेंगे। साथ ही रत्न आदि की भी प्राप्ति होगी एवं मिष्ठान्न भोजन के प्रति विशेष रूचि रहेगी । इस समय आप सर्व भौतिक सुख संसाधनों को अर्जित करेंगे तथा आनन्द पूर्वक उनका उपभोग करेंगे। इस वर्ष में आपके प्रताप तथा प्रभाव में वृद्धि होगी तथा सभी लोग आपके प्रभाव को स्वीकार करेंगे। साथ ही शत्रु पक्ष को पराजित करने में भी आप समर्थ रहेंगे तथा वे आपसे भयभीत रहेंगे। स्त्री पक्ष से इस समय आपको पूर्ण सुख एवं सहयोग प्राप्त होगा तथा समयानुसार लाभ मार्ग भी प्रशस्त रहेंगे। इस समय आपकी समाजिक मान प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी तथा दूर दूर तक आपका यश भी व्याप्त होगा।

व्यापारिक तथा कार्य क्षेत्र की उन्नति की दृष्टि से यह वर्ष शुभ एवं महत्वपूर्ण रहेगा। इस समय व्यापार में आपकी उन्नति तथा विस्तार होगा तथा सर्वत्र लाभ एवं सफलता के मार्ग प्रशस्त रहेंगे। नौकरी या राजनीति के क्षेत्र में भी इस समय आपको इच्छित उन्नति प्राप्त होगी। साथ ही उच्चाधिकारी वर्ग या नेताओं से भी आपके मधुर संबंध रहेंगे तथा उनसे यथोचित लाभ एवं सहयोग प्राप्त होगा। खेल के क्षेत्र में भी इस समय आप इच्छित सफलता प्राप्त कर सकते है। आर्थिक स्थिति भी आपकी सुदृढ़ रहेगी तथा आय स्रोतों में भी वृद्धि होगी। अतः सुख एवं आनन्दपूर्वक आपका यह वर्ष व्यतीत होगा।

अथ वर्षलग्नेशफलम्

वर्ष लग्न के स्वामी को वर्षलग्नेश कहते हैं। वर्ष के पंचाधिकारियों में इसकी विशेष महत्ता है। अतः वर्ष की अनेक शुभाशुभ घटनाओं में लग्नेश का प्रभाव रहता है। साथ ही जातक के स्वास्थ्य, कार्य एवं भाग्य को वर्ष में यह विशेष रूप से प्रभावित करता है। यदि वर्ष लग्नेश पंचवर्गी बल से पूर्ण बलवान हो और उसे शुभ ग्रह देखते हों या शुभ ग्रहों से युति हो और स्वयं केन्द्र तथा त्रिकोण स्थान में स्थित हो तो वह सम्पूर्ण अरिष्टों को नष्ट करके सुख और धन देता है। यथाः-

लग्नाधिपो बलयुतः शुभेक्षित युतोऽपि वा।
केन्द्रत्रिकोणगोऽरिष्टम् नाशयेत्सुखवित्तदः।।

-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-

इस वर्ष में आपका शारीरिक स्वास्थ्य मध्यम रहेगा तथा यदा कदा आप शारीरिक रूप से कष्ट तथा परेशानी की अनुभूति करेंगे। मानसिक स्थिति भी इस समय अच्छी नहीं रहेगी तथा मन में व्याकुलता तथा अशान्ति का भाव रहेगा । इस समय आपके विगत रूके हुए कार्य तथा मानसिक संकल्प अल्प मात्रा में ही सफल होंगे तथा सांसारिक महत्व के शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्यो में सफलता के लिए आपको अत्यधिक परिश्रम एवं संघर्ष करना पड़ेगा। पारिवारिक सुख शान्ति तथा समृद्धि भी इस समय मध्यम रहेगी तथा यदा कदा पारिवारिक जनों के मध्य कलह एवं मतभेद रहेंगे। स्त्री का स्वास्थ्य भी इस समय अच्छा नहीं रहेगा तथा आपसी संबंधों में भी मधुरता कम ही रहेगी। अतः इस वर्ष में दाम्पत्य जीवन का सुख मध्यम रहेगा। इसके साथ ही यात्राओं से आपको विशेष लाभ नहीं होगा तथा इनमें व्यय ही अधिक होगा अतः लम्बी दूरी की यात्राओं की इस समय यत्नपूर्वक उपेक्षा करें। शत्रु वर्ग से भी इस समय परेशानी रहेगी तथा मित्रों एवं संबंधियों से विशेष सुख एवं सहयोग नहीं मिलेगा।

व्यापारिक एवं कार्य क्षेत्र की उन्नति के लिए वर्ष मध्यम रहेगा तथा अत्यंत ही परिश्रम एवं संघर्ष से आपको इसमें सफलता प्राप्त होगी। साथ ही नौकरी या राजनीति में भी पदोन्नति में व्यवधान तथा विलम्ब होगा तथा विरोधी भी प्रबल रहेंगे। इसके अतिरिक्त उच्चाधिकारी वर्ग से आपको कोई विशेष सहयोग नहीं मिलेगा तथा समाजिक मान प्रतिष्ठा एवं यश भी मध्यम रहेगा । आर्थिक स्थिति भी इस समय सामान्य रहेगी तथा यदा कदा व्ययाधिक्य के कारण आपको परेशानी हो सकती है। अतः बुद्धिमता पूर्वक अपने कार्य कलापों को सम्पन्न करना चाहिए तभी शुभ फलों की प्राप्ति हो सकती है।

अथ मुंथाफलम्

जन्म के प्रथम वर्ष में लग्न ही मुंथा होती है और प्रतिवर्ष एक एक राशि बढ़ती है। अतः गत वर्ष संख्या में जन्म लग्न जोडे से तथा 12 से भाग देने पर शेषांक मुंथा की वर्तमान राशि होती है। मुंथा प्रतिमाह ढाई अंश तथा प्रतिदिन पाँच कला बढ़ती जाती है। यदि मुंथा शुभ ग्रह व अपने स्वामी से युक्त या दृष्ट हो अथवा शुभ ग्रह या अपने स्वामी के साथ इत्यशाल करे तो शुभ फल की वृद्धि कर अशुभ फल का नाश करती है। यथाः-

शुभस्वामियुक्तेक्षितावीर्ययुक्तेन्थिहास्वामिसौम्येत्थशालं प्रपन्ना।
शुभं भावजं पोषयेन्नाशुभं साऽन्यथाभाव ऊह्यो विभृश्य।।

-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-

इस वर्ष में आपका स्वास्थ्य उतम रहेगा तथा मानसिक प्रसन्नता भी बनी रहेगी। साथ ही आपके समस्त शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य उत्साह तथा परिश्रम से सम्पन्न होंगे। इस समय आपकी बुद्धि में तीव्रता रहेगी तथा सभी लोग आपकी बुद्धि का प्रभाव स्वीकार करेंगे। धर्म तथा धार्मिक कार्यों के प्रति आपके मन में पूर्ण श्रद्धा रहेगी तथा देवता एवं ब्राहमणों की आप नियम पूर्वक पूजा तथा सेवा करने में तत्पर रहेंगे। इस समय आपको संतति पक्ष से पूर्ण सुख एवं सहयोग प्राप्त होगा तथा अपने कार्य क्षेत्र में वे पूर्ण सफलता अर्जित करेंगे। साथ ही पुत्र संतति की भी इस समय प्राप्ति की संभावना रहेगी। इस वर्ष में आपका धनार्जन प्रचुर मात्रा में रहेगा तथा आय स्रोतों में भी वृद्धि होगी। अतः आर्थिक सुदृढ़ता बनी रहेगी।

व्यापारिक तथा कार्य क्षेत्र में उन्नति तथा सफलता की दृष्टि से वर्ष अनुकूल रहेगा। इस समय आपके सौभाग्य में वृद्धि होगी तथा अधिकांश विगत रुके हुए कार्यो में भी आपको सफलता मिलेगी। नौकरी या राजनीति में आपके वरिष्ठ अधिकारी तथा नेता आपसे सन्तुष्ट रहेंगे फलतः किसी उच्च तथा प्रभावशाली पद पर आपकी उन्नति हो सकती है। साथ ही इनसे आपको पूर्ण सहयोग एवं लाभ भी मिलेगा जिससे आपका यश दूर दूर तक व्याप्त होगा। इसके अतिरिक्त सभी पारिवारिक जनों , बन्धु एवं मित्रों से भी आपके मधुर संबध रहेंगे तथा उनसे वांछित सहयोग तथा लाभ मिलता रहेगा। अतः आपका लिए यह वर्ष शुभ एवं महत्वपूर्ण रहेगा।

अथ मुंथेशफलम्

वर्ष कुण्डली में मुंथा जिस राशि में स्थित हो उस राशि का स्वामी मुंथेश कहलाता है। यह वर्ष के पंचाधिकारियों में एक प्रमुख ग्रह होता है। अतः शुभभावस्थ मुंथेश के प्रभाव से जातक विशिष्ट परिस्थितियों में उत्तम लाभ प्राप्त करने में समर्थ रहता है। यदि वर्ष प्रवेश के समय मुंथेश षष्ठ, अष्टम, द्वादश तथा चतुर्थ भाव में स्थित हो या अस्त, वक्री एवं पापग्रहों से युक्त हो अथवा क्रूर ग्रहों के स्थान से चतुर्थ या सप्तम स्थान में स्थित हो तो शुभ फलदायक न होकर अशुभफल, धनहानि या शरीर संबधी कष्ट प्रदान करता है। यथाः-

षष्ठेऽष्टमेन्त्ये भुवि वेन्थिहेशोऽस्तङ्गोऽथ वक्रोऽशुभदृष्टियुक्तः।
क्रूराच्चतुर्थास्तगतश्च भव्यो न स्याद्रुजं यच्छति वित्तनाशम्।।

-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-

शारीरिक स्वास्थ्य की दृष्टि से यह वर्ष आपके लिए मध्यम रहेगा तथा यदा कदा इससे आपको कष्ट तथा परेशानी की अनुभूति होगी परन्तु इसका कोई विशेष दुष्प्रभाव नहीं होगा। साथ ही मानसिक स्थिति भी आपकी अच्छी रहेगी एवं शान्तिपूर्वक अपने कार्यकलापों को सम्पन्न करेंगे। शत्रुपक्ष से इस समय आपके लिए समस्याएं उत्पन्न होंगी तथा समस्याओं का समाधान तथा शत्रुओं का सामना करने में आप समर्थ रहेंगे तथा सफलता भी आपको प्राप्त होगी। आर्थिक दृष्टि से वर्ष सामान्य रहेगा तथा आवश्यक मात्रा में धन एवं लाभ प्राप्त होता रहेगा परन्तु सामान्य स्थिति पर इसका कोई विशेष प्रभाव नहीं होगा। इस समय आपके कुछ रूके हुए महत्वपूर्ण कार्य भी सम्पन्न होंगे तथा मानसिक संकल्पों में भी सफलता प्राप्त होगी।

इस वर्ष में व्यापारिक तथा कार्य क्षेत्र की उन्नति सामान्य रहेगी तथा यदा कदा इसमें समस्याएं भी उत्पन्न होंगी अतः ऐसे समय में अत्यधिक परिश्रम एवं पराक्रम की आवश्यकता रहेगी। नौकरी या राजनीति में भी आप की पदोन्नति हो सकती है परन्तु इसमें विलम्ब हो सकता है। व्यापार के क्षेत्र में भी आप उन्नति के मार्ग पर अग्रसर रहेंगे तथा परिश्रम पूर्वक सफलताएं भी प्राप्त होंगी। इसके अतिरिक्त राजनैतिक महत्व के व्यक्तियों तथा सरकार के उच्चाधिकारी वर्ग से भी आपके सम्पर्क बनेंगे तथा उनसे आपको वांछित लाभ एवं सहयोग प्राप्त होगा। इसके साथ ही इस वर्ष में आपको किसी विशिष्ट लाभ की भी प्राप्ति होगी। अतः सफलताएं अर्जित करने के लिए प्रयत्नशील रहें।

प्रथम मास

10/02/2025 01:15:18 से 11/03/2025 21:11:58 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		वृश्चिक	अनुराधा	13:00:17
सूर्य		मकर	धनिष्ठा	27:06:23
चन्द्र		मिथुन	पुनर्वसु	24:05:53
मंगल	व	मिथुन	पुनर्वसु	24:07:05
बुध		मकर	धनिष्ठा	27:20:54
गुरु		वृष	रोहिणी	17:07:13
शुक्र		मीन	उ०भाद्रपद	09:34:10
शनि		कुम्भ	पू०भाद्रपद	24:12:00
राहु	व	मीन	उ०भाद्रपद	03:43:19
केतु	व	कन्या	उ०फाल्गुनी	03:43:19
मुंथा		कर्क	पुष्य	05:57:21

मासाधिपति

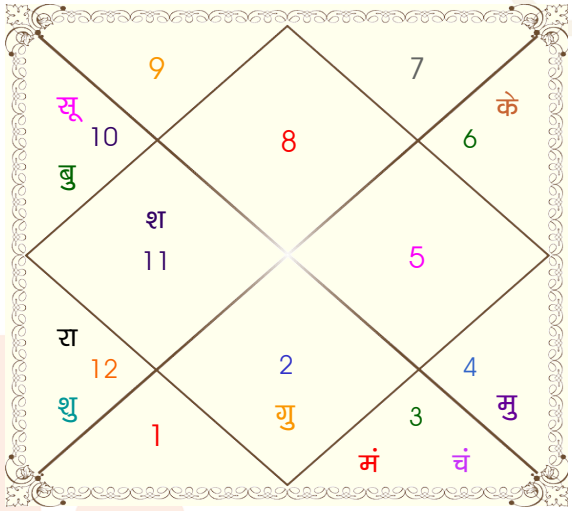

मासाधिपति : शुक्र

इस मास में आप धनार्जन करने में सफल रहेंगे तथा उच्चाधिकारी वर्ग आपसे पूर्ण प्रसन्न रहेगा। आपके घर में इस समय कोई धार्मिक उत्सव या कार्य भी सम्पन्न हो सकता है। सन्तति से आप सन्तुष्ट रहेंगे एवं उनसे आपको सुख की प्राप्ति होगी। देवता एवं ब्राहमणों के प्रति भी आपके मन में श्रद्धा उत्पन्न होगी एवं अवसरानुसार आप इनका पूजन तथा सम्मान करेंगे।समाज में यशार्जन करने में भी आप सफल रहेंगे तथा भाग्योदय सम्बन्धी कार्यों में भी उन्नति होगी। आपकी बुद्धि में भी इस समय वृद्धि होगी तथा लाभदायक यात्राओं का भी योग बनेगा। इस मास में उच्चाधिकारी वर्ग से आप मान सम्मान अर्जित करेंगे एवं मित्रों से मधुर संबन्ध रहेंगे। इसके अतिरिक्त आप सर्वत्र मान सम्मान एवं प्रतिष्ठा भी प्राप्त करेंगे।

साथ ही आप स्त्री तथा पुत्र से पूर्ण सुख तथा सन्तुष्टि भी प्राप्त करेंगे। इस मास में आप नवीन वस्त्रों तथा अन्य द्रव्यों को भी अर्जित करेंगे।अतः इससे आपको मानसिक रूप से प्रसन्नता प्राप्त होगी।

द्वितीय मास

11/03/2025 21:11:58 से 11/04/2025 04:30:25 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		तुला	स्वाति	15:20:25
सूर्य		कुम्भ	पू०भाद्रपद	27:06:23
चन्द्र		कर्क	आश्लेषा	27:21:56
मंगल		मिथुन	पुनर्वसु	24:12:22
बुध		मीन	उ०भाद्रपद	14:25:55
गुरु		वृष	रोहिणी	19:04:03
शुक्र	व	मीन	उ०भाद्रपद	14:42:09
शनि		कुम्भ	पू०भाद्रपद	27:47:26
राहु	व	मीन	पू०भाद्रपद	03:11:43
केतु	व	कन्या	उ०फाल्गुनी	03:11:43
मुंथा		कर्क	पुष्य	08:27:21

मासाधिपति

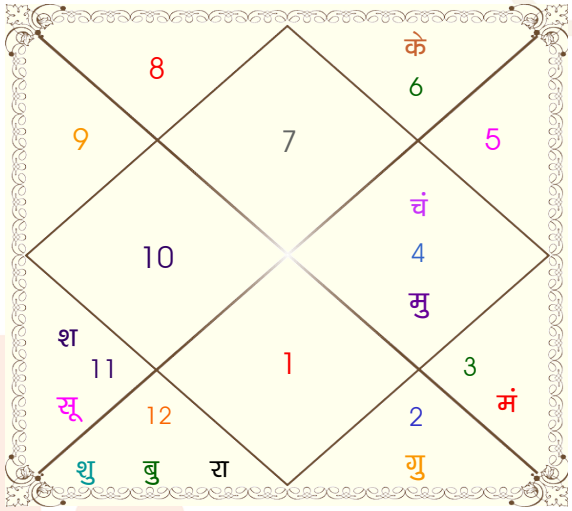

मासाधिपति : चन्द्र

इस मास में आप शुभ फल अधिक मात्रा में अर्जित करेंगे एवं अशुभ फल न्यून ही घटित होंगे। इसके प्रभाव से आपके कार्य क्षेत्र में उन्नति होगी तथा पूर्ण मान तथा प्रतिष्ठा अर्जित करने में सफल रहेंगे। साथ ही उच्चाधिकारी वर्ग से भी आप सहयोग तथा आदर प्राप्त करेंगे एवं वे सभी आपसे संतुष्ट एवं प्रसन्न रहेंगे। मित्रों एवं बन्धुजनों को आप पूर्ण सहयोग प्रदान करेंगे तथा उनसे सम्बन्ध भी मधुर रहेंगे।आपके अधिकांश शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य इस मास सिद्ध होंगे। देवता एवं ब्राहमणों के प्रति भी आपके मन में श्रद्धा की भावना उत्पन्न होगी तथा उनकी सेवा एवं पूजन के कार्य को आप अवश्य सम्पन्न करेंगे। संतति पक्ष से आप सुखी रहेंगे तथा बन्धु एवं मित्रों में आपकी प्रतिष्ठा बढ़ेगी ।साथ ही अपनी असफल आशाओं में भी सफलता प्राप्त करके मानसिक शान्ति एवं प्रसन्नता प्राप्त करेंगे। अतः यह मास आपके लिए शुभ फलदायक ही सिद्ध होगा।

साथ ही यदा कदा अशुभ फलों के प्रभाव से आप वातजन्य रोगों से शारीरिक कष्ट प्राप्त करेंगे तथा किसी ऐसे कार्य को भी सम्पन्न करेंगे जिससे आपकी प्रतिष्ठा को आंच आएगी एवं आप उसके लिए पश्चाताप करेंगे। इसके अतिरिक्त आग के द्वारा धन हानि का योग भी बनता है। अतः बुद्धिमतापूर्वक अपने कार्यों को सम्पन्न करें।

तृतीय मास
11/04/2025 04:30:25 से 12/05/2025 00:13:22 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		मीन	उ०भाद्रपद	09:36:51
सूर्य		मीन	रेवती	27:06:23
चन्द्र		कन्या	उ०फाल्गुनी	04:42:09
मंगल		कर्क	पुनर्वसु	02:55:28
बुध		मीन	पू०भाद्रपद	03:09:00
गुरु		वृष	मृगशिरा	23:24:08
शुक्र	व	मीन	पू०भाद्रपद	00:30:07
शनि		मीन	पू०भाद्रपद	01:27:13
राहु	व	मीन	पू०भाद्रपद	03:10:36
केतु	व	कन्या	उ०फाल्गुनी	03:10:36
मुंथा		कर्क	पुष्य	10:57:21

मासाधिपति

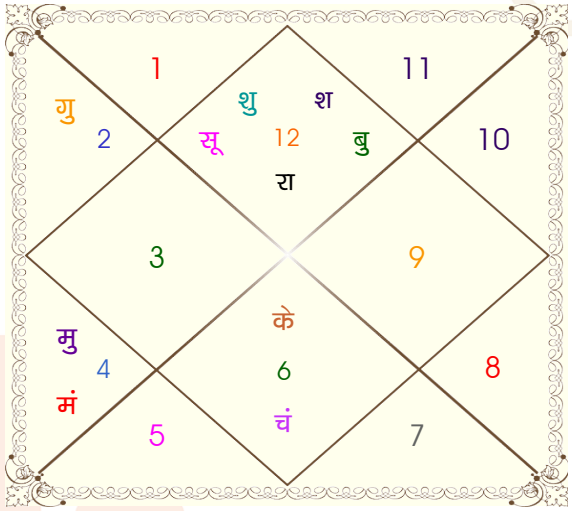

मासाधिपति : गुरु

यह मास आपके लिए विशेष शुभ एवं प्रसन्नता प्रदान करने वाला होगा। इस मास में आपकी बुद्धि निर्मल रहेगी तथा कई शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य आप अपनी बुद्धिबल से ही सम्पन्न करेंगे। इस समय आप कई प्रकार से द्रव्य लाभ अर्जित करेंगे एवं पुत्र सुख भी आपको प्राप्त होगा। आपके प्रभुत्व में भी इस समय वृद्धि होगी एवं सभी लोग आपकी प्रभुता तथा श्रेष्ठता को मन से स्वीकार करेंगे। इस मास आपके शुभ कार्य भी सम्पन्न होंगे तथा किसी शुभ समाचार को भी प्राप्त करेंगे। देवता तथा ब्राहमणों के प्रति आपके मन में श्रद्धा की भावना उत्पन्न होगी तथा इनका आप यथोचित सम्मान एवं पूजन करेंगे। इसके साथ ही सरकार या उच्चाधिकारी वर्ग से भी आप यथोचित लाभ अर्जित करने में भी सफल सिद्ध होंगे एवं समाज से पूर्ण मान प्रतिष्ठा प्राप्त करेंगे।अतः मानसिक रूप से पूर्ण प्रसन्नता की अनुभूति करेंगे।

साथ ही इस मास में आप स्त्री से पूर्ण सुख अर्जित करेंगे एवं अपनी बुद्धिमता से आवश्यक शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्यों को सम्पन्न करने में भी सफल रहेंगे। धर्मानुपालन में भी आपकी रूचि उत्पन्न होगी तथा किसी धार्मिक कार्य क्रम का आयोजन करने में भी आप प्रवृत होंगे।

चतुर्थ मास
12/05/2025 00:13:22 से 12/06/2025 06:01:52 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		मकर	धनिष्ठा	26:07:01
सूर्य		मेष	कृतिका	27:06:23
चन्द्र		तुला	स्वाति	17:00:18
मंगल		कर्क	पुष्य	16:29:45
बुध		मेष	अश्विनी	07:57:02
गुरु		वृष	मृगशिरा	29:22:41
शुक्र		मीन	उ०भाद्रपद	13:06:32
शनि		मीन	उ०भाद्रपद	04:40:28
राहु	व	मीन	पू०भाद्रपद	01:53:07
केतु	व	कन्या	उ०फाल्गुनी	01:53:07
मुंथा		कर्क	पुष्य	13:27:21

मासाधिपति

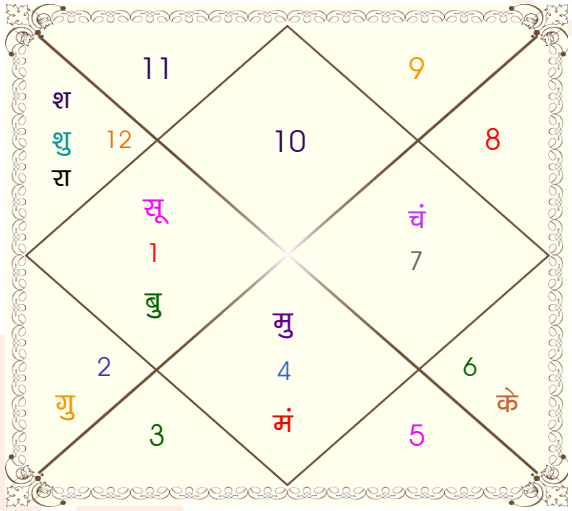

मासाधिपति : शुक्र

यह मास आपके लिए विशेष अच्छा नहीं रहेगा तथा अशुभ फल अधिक मात्रा में प्राप्त होंगे। इस समय आप स्त्री एवं बन्धुवर्ग से कष्ट की प्राप्ति करेंगे तथा शत्रुपक्ष से भी आपको भय तथा चिन्ता बनी रहेगी जिससे आप मानसिक रूप से भी आप अशान्त रहेंगे ।साथ ही आप में उत्साह के भाव की भी अल्पता रहेगी तथा धन व्यय भी अधिक मात्रा में होगा जिससे आर्थिक संकट भी बना रहेगा। शारीरिक रूप से भी आप अस्वस्थ रहेंगे एवं मन में लोभ के भाव की प्रबलता रहेगी। अपने मित्र एवं बन्धुजनों से भी आपका परस्पर मनमुटाव रहेगा तथा ऐसे समय पर मित्र भी शत्रु की तरह व्यवहार करेंगे जिससे आप आन्तरिक कष्टानुभूति प्राप्त करेंगे। इसके अतिरिक्त अन्य समाजिक या बन्धुजनों से भी वादविवाद आदि की भी सम्भावना बनी रहेगी। अतः आपका यह समय कष्टपूर्वक ही व्यतीत होगा।

साथ ही इस समय आप वायु से उत्पन्न होने वाले रोगों से अस्वस्थ रहेंगे तथा जाने या अनजाने में किसी ऐसे कार्य को सम्पन्न कर सकते हैं जिसके लिए बाद में आपको पश्चाताप करना पड़े। इससे आपकी समाजिक अवमानना भी होगी। इसके अतिरिक्त इस समय आप अग्नि के द्वारा न्यूनाधिक मात्रा में धन हानि भी प्राप्त करेंगे। अतः सावधानी पूर्वक अपने कार्य कलापों को सम्पन्न करें।

पंचम् मास
12/06/2025 06:01:52 से 13/07/2025 16:42:46 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		मिथुन	आर्द्रा	12:24:27
सूर्य		वृष	मृगशिरा	27:06:23
चन्द्र		धनु	मूल	05:04:30
मंगल		सिंह	मघा	02:49:24
बुध		मिथुन	आर्द्रा	11:50:21
गुरु		मिथुन	मृगशिरा	06:16:27
शुक्र		मेष	अश्विनी	11:39:26
शनि		मीन	उ०भाद्रपद	06:55:06
राहु	व	कुम्भ	पू०भाद्रपद	28:42:39
केतु	व	सिंह	उ०फाल्गुनी	28:42:39
मुंथा		कर्क	पुष्य	15:57:21

मासाधिपति

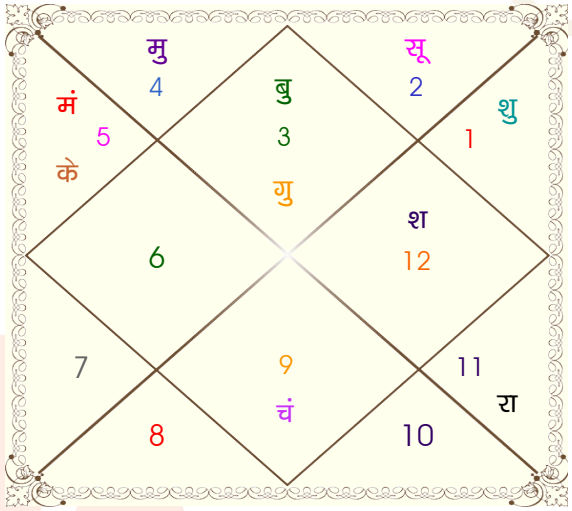

मासाधिपति : शुक्र

यह मास आपके लिए शुभ एवं शान्ति प्रदान करने वाला सिद्ध होगा। इस समय आप अपने उत्साह से धनार्जन करेंगे तथा आर्थिक स्थिति को सुधारने में सफल रहेंगे। इस मास आपकी प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी तथा बन्धु एवं मित्रों से आपके मधुर संबध होंगे। साथ ही इनसे आपको पूर्ण सुख एवं सहयोग की प्राप्ति होगी। उच्चाधिकार प्राप्त वर्ग से आप आश्रय प्राप्त करेंगे एवं उनसे आपको वांछित सहयोग तथा लाभ प्राप्त होगा। इस समय आप मिष्ठान का उपभोग भी अधिक मात्रा में कर सकेंगे। इस मास आपका शारीरिक स्वास्थ्य अच्छा रहेगा फलतः शारीरिक बल में पूर्ण वृद्धि होगी। शत्रु वर्ग को पराजित करने में भी आप सफलता प्राप्त करेंगे तथा वे आपसे भयभीत रहेंगे। इसके अतिरिक्त व्यापार आदि कार्यो से भी आप धन अर्जित करने में सफल रहेंगे।

साथ ही इस मास में आप स्त्री से पूर्ण सुख प्राप्त करेंगे एवं अन्य महिला सहयोगियों से भी वांछित सहयोग एवं लाभ प्राप्त होगा। आपकी बुद्धि भी इस समय निर्मल रहेगी तथा प्रचुर मात्रा में धनार्जन होता रहेगा। धर्म के प्रति भी आपके मन में श्रद्धा रहेगी तथा समाज में आपका यश व्याप्त रहेगा।

षष्ठ मास

13/07/2025 16:42:46 से 14/08/2025 01:35:23 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		धनु	मूल	03:43:52
सूर्य		मिथुन	पुनर्वसु	27:06:23
चन्द्र		मकर	धनिष्ठा	28:47:18
मंगल		सिंह	पू०फाल्गुनी	20:52:08
बुध		कर्क	आश्लेषा	20:28:28
गुरु		मिथुन	आर्द्रा	13:25:25
शुक्र		वृष	रोहिणी	15:35:59
शनि	व	मीन	उ०भाद्रपद	07:43:11
राहु	व	कुम्भ	पू०भाद्रपद	25:36:10
केतु	व	सिंह	पू०फाल्गुनी	25:36:10
मुंथा		कर्क	आश्लेषा	18:27:21

मासाधिपति

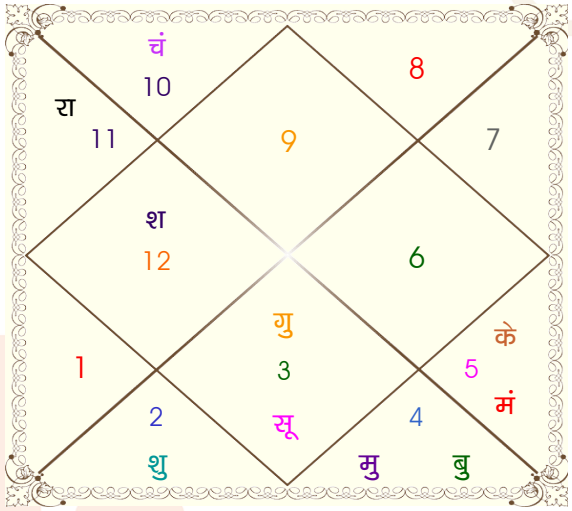

मासाधिपति : गुरु

यह मास आपके लिए सामान्यतया अशुभ ही रहेगा अतः इस समय शत्रु पक्ष से आप चिन्तित तथा भयभीत रहेंगे तथा आपके लिए वे अनावश्यक समस्याएं भी उत्पन्न करेंगे। साथ ही इस समय आपके घर में चोरी होने की भी संभावना रहेगी तथा अनावश्यक व्यय भी होगा एवं शुभ कार्यो में विध्न बाधाएं भी उत्पन्न होंगी। आपकी आर्थिक स्थिति भी इस समय अच्छी नहीं रहेगी एवं धर्म के प्रति भी आपके मन में विशेष श्रद्धा का भाव नहीं रहेगा तथा इसके अनुपालन में भी उपेक्षा का भाव रखेंगे। आप इस समय शरीर से भी अस्वस्थ रहेंगे एवं कई प्रकार से कष्ट भी प्राप्त करेंगे जिससे आपकी शारीरिक शक्ति में अल्पता आएगी। इस मास में आप दूर की किसी यात्रा को भी संम्पन्न कर सकते है। सांसारिक कार्यो में भी आप कष्टानुभूति प्राप्त करेंगे तथा मुकद्दमे आदि में भी धन व्यय होगा अतः मानसिक रूप से भी आप असन्तुष्ट रहेंगे।

साथ ही इस मास में आप गर्मी या पित्त दोष से उत्पन्न रोगों से कष्ट प्राप्त करेंगे। इस समय किसी प्रकार का रक्त विकार भी हो सकता है तथा अग्नि आदि से भी आप धन हानि प्राप्त कर सकते है। अतः सतर्कता पूर्वक अपने समय को व्यतीत करें जिससे अनावश्यक कष्ट तथा बाधाएं उत्पन्न न हों।

सप्तम् मास
14/08/2025 01:35:23 से 14/09/2025 02:31:34 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		मिथुन	आर्द्रा	08:08:50
सूर्य		कर्क	आश्लेषा	27:06:23
चन्द्र		मीन	रेवती	25:33:26
मंगल		कन्या	हस्त	10:04:47
बुध		कर्क	पुष्य	10:24:15
गुरु		मिथुन	पुनर्वसु	20:10:24
शुक्र		मिथुन	पुनर्वसु	21:44:15
शनि	व	मीन	उ०भाद्रपद	06:54:09
राहु		कुम्भ	पू०भाद्रपद	24:18:39
केतु		सिंह	पू०फाल्गुनी	24:18:39
मुंथा		कर्क	आश्लेषा	20:57:21

मासाधिपति

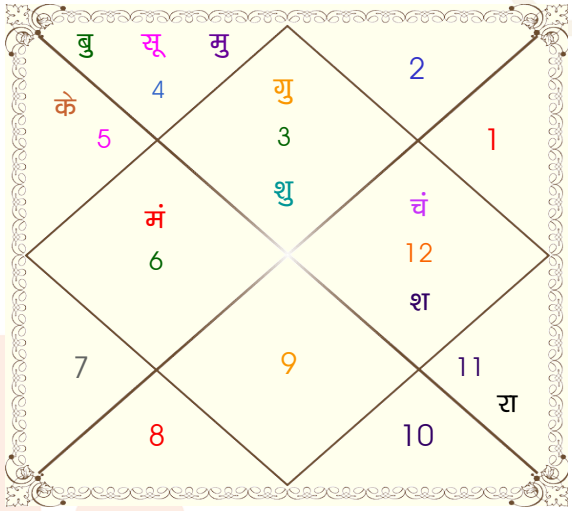

मासाधिपति : चन्द्र

यह मास आप सुख तथा शान्ति पूर्वक व्यतीत करेंगे परन्तु यदा कदा शारीरिक रूप से अस्वस्थ भी रहेंगे। इस समय आप अपने उत्साह एवं पराक्रम से धनार्जन करेंगे तथा अपनी आर्थिक स्थिति को सुदृढ़ बनाएंगे। साथ ही समाज में आपके यश तथा प्रतिष्ठा में भी पूर्ण वृद्धि होगी। बन्धु एवं मित्र वर्ग से आपके मधुर संबध रहेंगे तथा इनसे यथोचित मान सम्मान भी अर्जित करेंगे। उच्चाधिकार प्राप्त वर्ग से भी आपको अनुकूल सहयोग तथा लाभ प्राप्त होगा। इस मास में आप मिष्ठान का उपयोग अधिक मात्रा में करेंगे।साथ ही आपका शत्रु वर्ग आपसे पूर्ण रूप से प्रभावित तथा भयभीत रहेगा एवं आपका सामना करने में वे असफल रहेंगे। इस समय स्त्री से भी आप पूर्ण सुख एवं सहयोग अर्जित करने में सफल रहेंगे इसके अतिरिक्त व्यापार आदि कार्यो के द्वारा भी आप धनार्जन करने में सफल रहेंगे तथा सम्पूर्ण मास सुख पूर्वक व्यतीत करेंगे।

साथ ही इस मास में आपको यदाकदा अशुभ फलों की भी प्राप्ति होगी।अतः आप गर्मी या पित्त द्वारा उत्पन्न होने वाले रोग से शारीरिक कष्ट प्राप्त करेंगे तथा किसी प्रकार से रक्त विकार का योग भी बन सकता है। अतः इस मास में शारीरिक सुरक्षा पर पूर्ण ध्यान दें तथा बुद्धिमता पूर्वक अपने कार्य कलापों को सम्पन्न करें।

अष्टम् मास
14/09/2025 02:31:34 से 14/10/2025 15:43:24 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		कर्क	आश्लेषा	17:34:55
सूर्य		सिंह	उ०फाल्गुनी	27:06:23
चन्द्र		वृष	रोहिणी	19:42:15
मंगल		तुला	चित्रा	00:08:31
बुध		सिंह	उ०फाल्गुनी	27:29:05
गुरु		मिथुन	पुनर्वसु	25:50:03
शुक्र		कर्क	आश्लेषा	28:53:52
शनि	व	मीन	उ०भाद्रपद	04:51:41
राहु	व	कुम्भ	पू०भाद्रपद	24:07:05
केतु	व	सिंह	पू०फाल्गुनी	24:07:05
मुंथा		कर्क	आश्लेषा	23:27:21

मासाधिपति

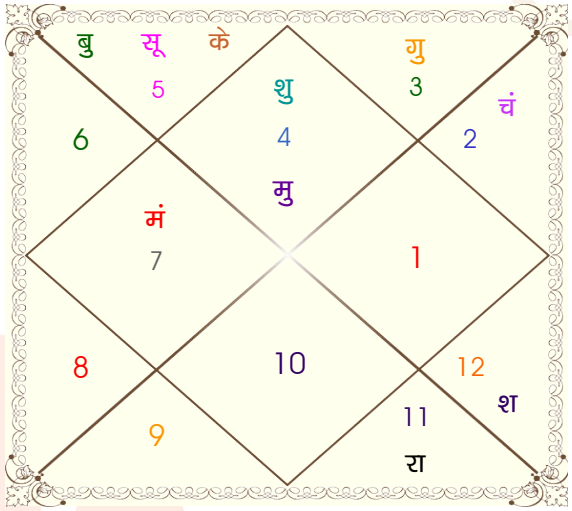

मासाधिपति : चन्द्र

इस मास में आपका शारीरिक स्वास्थ्य अच्छा रहेगा तथा आपके पराक्रम में नित्य वृद्धि होती रहेगी अतः इस समय आपके शत्रु वर्ग कमजोर रहेंगे एवं आप से प्रभावित तथा भयभीत रहेंगे।उच्चाधिकारी वर्ग से इस समय सम्मान एवं सहयोग अर्जित करने में आप सफल रहेंगे।साथ ही मुख्य कार्य के अतिरिक्त अन्य स्त्रोतों से भी आप लाभार्जन करेंगे। अतः आपकी अर्थिक स्थिति सुदृढ़ रहेगी इससे समाज तथा मित्रवर्ग में प्रतिष्ठा अर्जित करने में सफल रहेंगे। इस मास में आपके सौभाग्य में भी वृद्धि होगी तथा पूर्व विलंबित हुए शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य स्वतः सिद्ध हो जाएंगे। साथ ही सांसारिक कार्यों में भी आप सफल रहेंगे एवं सर्वत्र आनन्द एवं प्रसन्नता का वातावरण विद्यमान रहेगा।

परन्तु शुभफलों के साथ साथ यदाकदा आपको अशुभ फलों की भी प्राप्ति होगी।अतः आप गर्मी या पित द्वारा उत्पन्न रोगों से शारीरिक कष्टानुभूति प्राप्त करेंगे। साथ ही इस समय किसी प्रकार से रक्त विकार भी हो सकता है।अतः शारीरिक सुरक्षा के प्रति पूर्ण सचेत रहें। इसके अतिरिक्त अग्नि के द्वारा भी क्षति हो सकती है।अतः सावधानी एवं सतर्कता पूर्वक कार्यों को सम्पन्न करना चाहिए।

नवम् मास
14/10/2025 15:43:24 से 13/11/2025 16:39:58 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		कुम्भ	पू०भाद्रपद	29:01:47
सूर्य		कन्या	चित्रा	27:06:23
चन्द्र		कर्क	पुष्य	05:28:14
मंगल		तुला	विशाखा	20:52:48
बुध		तुला	स्वाति	17:02:18
गुरु		मिथुन	पुनर्वसु	29:39:32
शुक्र		कन्या	उ०फाल्गुनी	06:26:59
शनि	व	मीन	पू०भाद्रपद	02:34:38
राहु		कुम्भ	पू०भाद्रपद	23:41:28
केतु		सिंह	पू०फाल्गुनी	23:41:28
मुंथा		कर्क	आश्लेषा	25:57:21

मासाधिपति

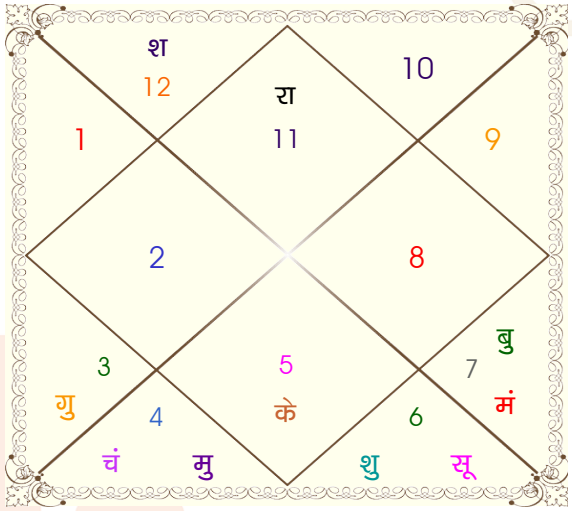

मासाधिपति : गुरु

यह महीना आपके लिए सामान्यतया अशुभ ही रहेगा परन्तु अल्पमात्रा में शुभ फल भी घटित होते रहेंगे। इस समय आपका स्वास्थ्य अच्छा नहीं रहेगा तथा शरीर में दुर्बलता विद्यमान रहेगी। इस मास में आपके शत्रु भी प्रबल रहेंगे फलतः आपके लिए वे समस्याएं उत्पन्न करेंगे जिससे आप उनकी ओर से चिन्तित तथा भयभीत रहेंगे। आपके घर में इस समय किसी प्रकार की चोरी भी हो सकती है। साथ ही नौकरी या व्यवसाय में उच्चाधिकारी वर्ग की आज्ञा का पालन करें तथा उनकी उपेक्षा न करें अन्यथा किसी प्रकार से दण्ड भी प्राप्त कर सकते हैं। इस समय आपके शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य अल्प मात्रा में ही सफल होंगे। साथ ही धन का व्यय भी अधिक मात्रा में रहेगा। अतः आर्थिक स्थिति कमजोर रहेगी। इसके अतिरिक्त आप किसी ऐसे कार्य को भी सम्पन्न करेंगे जिससे आपको बाद में पछताना पड़ेगा तथा समाज में सम्मान में भी न्यूनता आएगी। मित्र एवं बन्धु वर्ग से आपके संबधों में मधुरता नहीं रहेगी तथा कुछ न कुछ विवाद चलता रहेगा। आपकी इच्छाएं भी इस मास में अपूर्ण रहेंगी। अतः बुद्धिमता एवं सावधानी से अपने कार्यो को सम्पन्न करना चाहिए।

परन्तु अशुभ फलों के साथ साथ समय समय पर शुभ फल भी घटित होंगे। अतः आप स्त्री से पूर्ण सहयोग प्राप्त करेंगे साथ ही अपनी बुद्धिमता से प्रचुरमात्रा में धनार्जन भी करेंगे। इस प्रकार आप मध्यम रूप से सुख प्राप्त करने में सफल हो सकेंगे तथा समाज में भी न्यूनाधिक प्रतिष्ठा अर्जित करेंगे।

दशम् मास
13/11/2025 16:39:58 से 13/12/2025 08:03:18 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		मेष	भरणी	24:21:59
सूर्य		तुला	विशाखा	27:06:23
चन्द्र		सिंह	मघा	11:46:20
मंगल		वृश्चिक	अनुराधा	12:12:41
बुध	व	वृश्चिक	अनुराधा	11:34:38
गुरु	व	कर्क	पुनर्वसु	00:55:41
शुक्र		तुला	स्वाति	13:57:11
शनि	व	मीन	पू०भाद्रपद	01:07:48
राहु		कुम्भ	पू०भाद्रपद	21:55:38
केतु		सिंह	पू०फाल्गुनी	21:55:38
मुंथा		कर्क	आश्लेषा	28:27:21

मासाधिपति

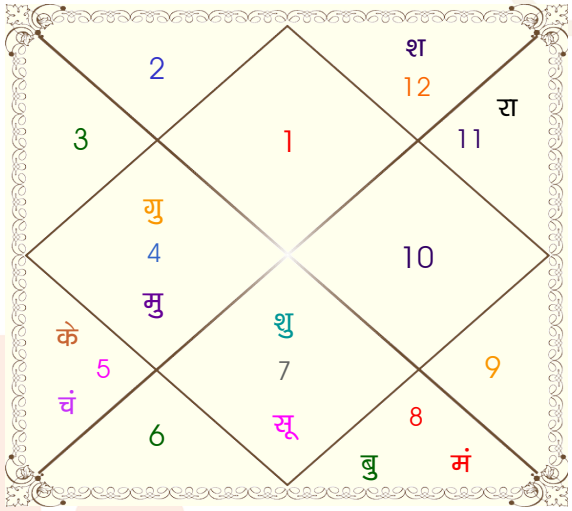

मासाधिपति : चन्द्र

यह महीना आपके लिए सामान्यतया अशुभ ही रहेगा। इस समय आपका स्वास्थ्य अच्छा नहीं रहेगा तथा शरीर में दुर्बलता रहेगी। इस मास में आपके शत्रु प्रबल रहेंगे अतः उनकी ओर से भी आप भयभीत तथा चिन्तित रहेंगे जिससे मानसिक रूप से आप अशान्त तथा उद्विग्न रहेंगे। इस समय आपके घर में किसी प्रकार से चोरी भी हो सकती है अतः सावधान रहना चाहिए।साथ ही आपके व्यापार या नौकरी आदि के क्षेत्र में शिथिलता रहेगी तथा कई अनावश्यक विध्न बाधाएं उत्पन्न होंगी। इस समय आपका कोई कार्य परिवर्तन हो सकता है या छूट भी सकता है। समाज में अन्य जनों से भी आपका परस्पर विवाद तथा संघर्ष होता रहेगा जिससे आपके सम्मान में भी न्यूनता आएगी। इसके अतिरिक्त धन हानि की भी संभावना रहेगी एवं शरीर में कोई रोग भी उत्पन्न हो सकता है।

साथ ही इस मास में आप गर्मी या पित से उत्पन्न होने वाले रोगों से पीड़ित रहेंगे तथा किसी दुर्घटना आदि से रुधिर विकार भी हो सकता है अतः इस मास में आप सावधानी पूर्वक अपने कार्यो को सम्पन्न करें तथा शारीरिक सुरक्षा की ओर विशेष ध्यान रखें जिससे अनावश्यक समस्याएं उत्पन्न न हो सकें।

एकादश मास
13/12/2025 08:03:18 से 11/01/2026 18:57:17 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		धनु	पूर्वाषाढ़ा	23:13:07
सूर्य		वृश्चिक	ज्येष्ठा	27:06:23
चन्द्र		कन्या	हस्त	11:07:42
मंगल		धनु	मूल	04:06:58
बुध		वृश्चिक	अनुराधा	07:14:07
गुरु	व	मिथुन	पुनर्वसु	29:20:13
शुक्र		वृश्चिक	ज्येष्ठा	21:12:19
शनि		मीन	पू०भाद्रपद	01:08:14
राहु	व	कुम्भ	शतभिषा	18:50:42
केतु	व	सिंह	पू०फाल्गुनी	18:50:42
मुंथा		सिंह	मघा	00:57:21

मासाधिपति

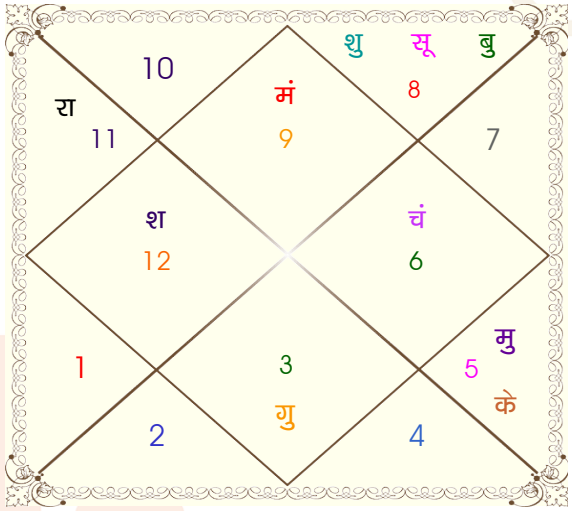

मासाधिपति : गुरु

यह मास आपके लिए अत्यंत ही शुभ एवं सौभाग्यशाली सिद्ध होगा। इस समय आप प्रचुर मात्रा में लाभार्जित करने में सफल रहेंगे तथा आर्थिक रूप से पूर्ण सम्पन्न रहेंगे। साथ ही उच्चाधिकारी वर्ग भी आपसे प्रसन्न तथा सन्तुष्ट रहेंगे जिससे आप अपने शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्यो को यथासमय सिद्ध करने में सफल रहेंगे। इस मास में आप अपने घर में किसी धार्मिक उत्सव का आयोजन भी कर सकते है। इस समय संतति पक्ष से आपको पूर्ण सुख एवं सहयोग प्राप्त होगा तथा देवता एवं ब्राहमणों के प्रति आपके मन में श्रद्धा की भावना रहेगी तथा विधिपूर्वक आप इनकी पूजा तथा सेवा करते रहेंगे।साथ ही सामाजिक जनों के मध्य आपके यश तथा प्रतिष्ठा में भी वृद्धि होगी। इस समय आपके भाग्योदय संबधी कार्य भी सम्पन्न होंगे। साथ ही आपकी बुद्धि निर्मल रहेगी तथा लाभदायक यात्रा का भी योग बनेगा। अपने बन्धु एवं मित्रों से आपके मधुर संबध रहेंगे एवं एक दूसरे से वांछित सहयोग प्राप्त करेंगे। इस प्रकार समाज में सर्वत्र सम्माननीय तथा आदरणीय समझे जाएंगे।

साथ ही इस मास में आप स्त्री से पूर्ण सुख तथा सहयोग प्राप्त करने में सफल रहेंगे तथा अपने बुद्धिचातुर्य से धन एवं सुख साधनों को प्राप्त करने में भी समर्थ रहेंगे। इसके अतिरिक्त धर्मानुपालन में श्रद्धा का प्रदर्शन करते हुए आप एक प्रतिष्ठित व्यक्ति के रूप में सम्मान अर्जित कर सकेंगे।

द्वादश मास

11/01/2026 18:57:17 से 10/02/2026 07:30:00 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		कर्क	आश्लेषा	21:27:49
सूर्य		धनु	उत्तराषाढ़ा	27:06:23
चन्द्र		तुला	स्वाति	07:02:34
मंगल		धनु	पूर्वाषाढ़ा	26:35:43
बुध		धनु	पूर्वाषाढ़ा	20:52:58
गुरु	व	मिथुन	पुनर्वसु	25:43:26
शुक्र		धनु	उत्तराषाढ़ा	28:16:13
शनि		मीन	पू०भाद्रपद	02:38:38
राहु	व	कुम्भ	शतभिषा	16:05:45
केतु	व	सिंह	पू०फाल्गुनी	16:05:45
मुंथा		सिंह	मघा	03:27:21

मासाधिपति

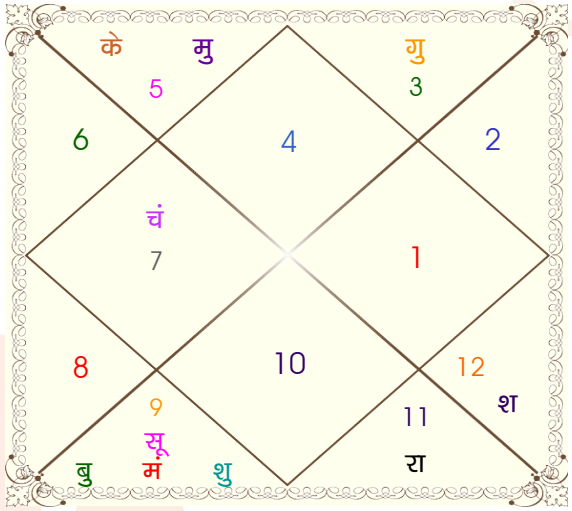

मासाधिपति : चन्द्र

इस मास में आप सामान्यतया शुभ फल ही प्राप्त करेंगे तथापि अशुभ फल भी न्यूनाधिक रूप से प्राप्त होते रहेंगे। इस समय आप अपने पराक्रम एवं उत्साह से प्रचुर मात्रा में धनार्जन करने में सफल रहेंगे साथ ही परिवार एवं सामाजिक जनों से आपको यथोचित सम्मान प्राप्त होगा तथा उनमें आपकी प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। बन्धु एवं मित्रों से आपके मधुर संबध रहेंगे तथा उनका आपको पूर्ण सहयोग प्राप्त होता रहेगा। साथ ही इस मास में उच्चाधिकारी वर्ग से आपको पूर्ण आश्रय प्राप्त होगा फलतः आपके कई शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य यथा समय सिद्ध हो जाएंगे। मिष्ठान्न के प्रति इस समय आपके मन में तीव्र इच्छा उत्पन्न होगी।आपका शारीरिक स्वास्थ्य अच्छा रहेगा एवं शारीरिक बल में पूर्ण वृद्धि होगी। शत्रु आपसे इस समय निर्बल रहेंगे तथा उन्हें पराजित तथा भयभीत करने में आप समर्थ रहेंगे। स्त्री से भी आप वांछित सुख एवं सहयोग प्राप्त करेंगे तथा अतिरिक्त साधनों से धनार्जन करने में भी सफल रहेंगे।

साथ ही इस मास में शुभफलों के साथ साथ अशुभफल भी घटित होंगे। अतः आप गर्मी या पित रोग से शारीरिक अस्वस्थता प्राप्त करेंगे एवं रक्त विकार की भी संभावना हो सकती है। अतः शारीरिक सुरक्षा का इस समय पूर्ण ध्यान रखना चाहिए तथा सावधानी पूर्वक अपने कार्यो को संपन्न करना चाहिए।